



डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' भारतीय दर्शन-चिंतन की महान प्रतिभूति एवं दुनिया भर के अरबों युवाओं के यूथ आइकॉन एवं मार्गदर्शक स्वामी विवेकानंद जी द्वारा दिए गये इस सूत्र को हमें मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों का चरित्र निर्माण होना चाहिए और मुझे हर्ष है कि हमारे विश्वविद्यालय के छात्र स्वामी जी के इन आदर्शों के परम अनुयायी हैं। यह उनके शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों में निरंतर विकास एवं उपलब्धियों से निश्चित ही परिलक्षित हुआ है।

हालांकि परिवर्तन हमेशा परेशान करने वाला होता है, लेकिन नए विचारों, नवाचारों को लाने के लिए आवश्यक है कि पुरातन प्रक्रियाओं में परिवर्तन लायी जाये। परिवर्तन स्वयं में कठिन नहीं होता अपितु परिवर्तन की स्वीकार्यता एक कठिन कार्य है, परन्तु यदि हम इसे स्वीकार करते हैं और इसके अनुरूप अपने दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली को संशोधित करते हैं तो आवश्यक परिवर्तन नवाचार, अवसर और नए आविष्कारों की जननी बन जाता है।

मेरे लिए हर्ष की बात है कि हमारा विश्वविद्यालय परिवर्तनों को सहर्ष स्वीकार रहा है और अपनी गतिविधियों के सभी क्षेत्रों यथा शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार में कार्यप्रणाली को संशोधित कर रहा है। हाल ही में, विश्वविद्यालय में कई शिक्षाप्रद कार्यक्रम, प्रशिक्षण और शीतकालीन विद्यालय आयोजित किए गए हैं, साथ ही, गणतंत्र दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस और मिलेट्स पर अंतर्राष्ट्रीय वर्ष तथा शिक्षा एवं अनुसंधान से जुड़े कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

हम पहले ही नव वर्ष 2023 में प्रवेश कर चुके हैं जिसे 'संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन' द्वारा मिलेट्स का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया गया है। पहले ही दिन हमारे विश्वविद्यालय ने मिलेट्स का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष उत्सव मनाया जिसमें विभिन्न प्रकार के मिलेट (ब्राउनटॉप, मिलेट, मडुआ) और उनके मूल्य वर्धित उत्पाद जैसे लड्डू, ठेकुआ, मठरी, सकरपारा, मीठा और नमकीन बिरकुट, मल्टीग्रेन आटा, सावन खीर आदि के साथ रेसिपी साहित्य भी प्रदर्शित किया गया। हमारी योजना है कि मिलेट्स को हम पूरे वर्ष न केवल किसान मेला, वैज्ञानिक बैठकों के माध्यम से प्रदर्शित एवं प्रचारित करेंगे, वरन् जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों, तकनीकियों के पैकेज और अन्य संबंधित उत्पाद भी विकसित करने हेतु अनुसंधान गतिविधियों में शामिल करेंगे।

मैं विश्वविद्यालय परिवार के समस्त जनों को एक उपयोगी नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!

डॉ. पी. एस. पाण्डेय



डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

खंड-4, अंक-2
फरवरी, 2023

संरक्षक:

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:

डॉ. राकेश मणि शर्मा
पी. कु. प्रणव
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कुमार पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कुमार राज्यवर्धन

तकनीकी सहयोग:

मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:

www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

शिक्षा और शैक्षणिक गतिविधियाँ

- **विश्वविद्यालय में कैम्पस प्लेसमेंट प्रारंभ** प्लेसमेंट सेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा द्वारा वर्ष 2023 के स्नातक और स्नाकोत्तर उत्तीर्ण छात्रों के लिए कैम्पस प्लेसमेंट प्रारंभ किया गया। छात्रों को 5-6 लाख रुपये प्रति वर्ष तक के अच्छे पैकेज पर टैफे, चेन्नई, रिलायंस रिटेल, मुंबई, मदर डेयरी, नई दिल्ली और अन्नपूर्णा वित्त और पीपुल्स फोरम, भुवनेश्वर जैसी कंपनियों में चुना गया।
- **स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम के तहत अध्ययन यात्रा** स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम के अंतर्गत मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के स्नातक मत्स्यकी सातवाँ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के एक दल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय मत्स्यकी शिक्षा संस्थान, मुंबई, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय खारा जलजीव पालन अनुसंधान संस्थान, चेन्नई, काकट्टीप केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र रामकृष्ण आश्रम, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, कोलकाता, सुंदरबन और भगवतपुर मगरमच्छ परियोजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, गहरे समुद्र में मात्स्यिकी केन्द्र, कोच्चि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण संस्थान, कोच्ची सहित हावड़ा मत्स्य बाजार, पश्चिम बंगाल का भ्रमण किया।
- **स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम के तहत छात्रों का औद्योगिक जुड़ाव** दिनांक 4-16 जनवरी, 2023 के अवधि में मत्स्य विज्ञान स्नातक सातवाँ सेमेस्टर (बैच: 2019-23) के छात्रों को प्रशिक्षण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण संस्थान, कोच्ची से जोड़ा गया।
- **दिनांक 5-8 जनवरी, 2023 के दौरान तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के ऑडिटोरियम में हार्टफुलनेस इनेबल्ड लीडरशिप मास्टरी पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तिरहुत कृषि महाविद्यालय और मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के सभी छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उदघाटन तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के अधिष्ठाता ने किया। इस अवसर पर प्रशिक्षक श्री मुकेश श्रीवास्तव एवं सुमित नागर, विश्वविद्यालय एन.एस.एस समन्वयक एवं तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।**





Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University

Pusa, Samastipur, Bihar-848125

Vice-Chancellor's Message

"Arise, Awake and Stop not until Goal is Reached" the formula (Sutra) given by the Swami Vivekananda ji, the youth icon for billions of youth world over should be the guiding principles for all of us. Character building of students should be the objective of the education. I have found that students of my university are very resilient and rigorous follower of the Swami ji ideals. This has amply been reflected in their academics and other related activities.

Although change is always disturbing but essential to bring new ideas, innovations and processes. In-fact "Change" itself is not painful but the non-acceptance is painful or somewhat disturbing. If we accept it and modify our attitudes and course of action in tune with changes which are essentially happening, it becomes the mother of new inventions, innovation and opportunities.

It's my pleasure to see that our university is happily accepting and embracing the changes and modifying its course of action in its all sphere of activities, be it education, research and extension. Recently, it has organized many educative events and trainings, winter schools and celebrated number of events important for education and research like Republic Day, National Youth Day and International Year of Millets.

We have already entered in new year 2023 which has been declared by FAO as International Year of Millets. On the very 1st day our university celebrated the International Year of Millets wherein different types of millets (Finger Millet, Foxtail Millet, Barnyard Millet, Proso Millet, Little Millet, Kodo Millet, Browntop Millet) and their value-added products viz. Madua Ladoo, Thekua, Mathri, Sakarpara, Sweet and Salty Biscuits, Multigrain aata, Sawan Kheer etc. along with recipe literature were displayed. This has just been the beginning of celebrations of International Year of Millets. We have planned to celebrate it not only throughout the year in the format of Kisan Mela, Scientific Meetings etc. but also to develop climate resilient technologies, package of practices and other related operations.

I wish a very fruitful happy new year to all students and faculties.

Jai Hind!

(Dr. P. S. Pandey)



Dr. P. S. Pandey
Hon'ble Vice-Chancellor

Volume-4, Issue-2
February, 2023

Chief Patron:
Dr. P. S. Pandey
Vice-Chancellor

Compiled & edited by:

(Drs.)

R.M. Sharma,
P. K. Pranav
M.L. Meena
K. Sapna
A.K. Panda
S. Nandni
G. Trivedi
K. Rajyavardhan

Tech. Asstt.:
Manish Kumar

Published by:
Publication Division
RPCAU, Pusa.

Contact:
www.rpcau.ac.in

Education and Educational Activities

➤ **The Placement Cell** of the Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa have started campus placement of UG and PG students for 2023 passing out batch. Students got selected with good packages from Rs.5.0 LPA to Rs. 6.0 LPA in companies like TAFE, Chennai, Reliance Retail, Mumbai, Mother Dairy, New Delhi and Annapurna Finance & Peoples forum, Bhubaneswar.



➤ **Study Tour under student READY programme:** Students of VII semester B.F.Sc. visited, ICAR-Central Institute of Fisheries Education, ICAR-Central Inland Fisheries Research Institute, Barrackpore; NALBAN, ICAR-Central Institute of Brackishwater Aquaculture, Kakdwip Centre; Ramkrishna Ashram KVK, College of Fisheries Science, Kolkata, Sundarbans and Bhagabatpur Crocodile Project, ICAR-Central Institute of Freshwater Aquaculture, Bhubaneswar, Centre for Deep sea Fishery, Kochi, National Institute of Fisheries Post-Harvest Technology and Training, Kochi and Howrah Fish Market, West Bengal.



➤ **Industrial attachment under student READY programme:** Students of VII semester, Bachelor of Fisheries Science. (batch: 2019-23) were attached with ICAR- National Institute of Fisheries Post-Harvest Technology and Training, Kochi during 4-16 January, 2023.



➤ **Four day's training programme** on Heartfulness Enabled Leadership Mastery (HELM) was organized at Auditorium, Tirhut College of Agriculture, Dhuli during 5-8 January, 2023. All the students of Tirhut College of Agriculture & College of Fisheries, Dhuli participated in the programme. The training was inaugurated by Dean, Tirhut College of Agriculture, Dhuli. On this occasion, trainer Sri Mukesh Srivastava and Sumit Nagar, University NSS Coordinator and Scientists of Tirhut College of Agriculture, Dhuli were also present.



➤ **सातवें सेमेस्टर, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के छात्रों ने दिनांक 07.01.2023 को संस्थागत एक्सपोजर कार्यक्रम के तहत गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा और बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया का भ्रमण किया।

➤ **कृषिका शीतकालीन उत्सव-2023** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा दिनांक 13 जनवरी 2023 को कृषिका शीतकालीन उत्सव-2023 कार्यक्रम का पूर्ण उत्साह के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय कुलपति, डॉ. पी. एस. पांडेय रहे। कृषिका के अंतर्गत समूह नृत्य, एकल, स्किट, फ्यूजन और इंस्ट्रुमेंटल सहित कई कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया।

➤ **ई-सेल, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा** ने एशिया की सबसे बड़ी बिजनेस कॉन्क्लेव प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। ई-सेल, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने ई-सेल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे द्वारा आयोजित सबसे बड़े बिजनेस कॉन्क्लेव राष्ट्रीय उद्यमिता चुनौती (एन.ई.सी.) कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भारत से कुल 975 महाविद्यालयों/संस्थानों ने भाग लिया। जिसमें एन.ई.सी. बेसिक ट्रैक प्रतियोगिता में ई-सेल कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने दूसरे चरण तक प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि फाइनल राउंड में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

➤ **वार्षिक अंतर-महाविद्यालयी खेलों का आयोजन** दिनांक 22-24 जनवरी, 2023 तक खेल मैदान, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में अन्तर महाविद्यालय खेल-कूद एवं खेलकूद बैठक, 2022-23 का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति महोदय ने तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में 6वीं वार्षिक अन्तर महाविद्यालय खेल-कूद एवं खेलकूद बैठक का उद्घाटन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और पदक जीते। माननीय कुलपति ने सभी विजेताओं को बधाई दी और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित होने वाली अंतर-विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

➤ **गणतंत्र दिवस झांकी समारोह में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय को प्रथम पुरस्कार** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा की झांकी को सभी महाविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया और प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अंबरीश कुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।



➤ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** को सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

➤ **दिनांक 31.01.2023 को डॉ. अशोक कुमार सिंह, अधिष्ठाता, और डॉ. यू. के. सिंह, सहायक प्राध्यापक, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, के सेवा निवृत्ति के**

उपलक्ष्य में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही, डॉ. पी. पी. सिंह, प्रोफेसर सह मुख्य वैज्ञानिक ने तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के नए अधिष्ठाता का पदभार ग्रहण किया।



अनुसंधान गतिविधियाँ

➤ **नव वर्ष - 2023 का अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष समारोह के साथ प्रारंभ** नव वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (International year of Millets-IYoM) वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस संदर्भ में माननीय कुलपति महोदय द्वारा सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा छात्रों की उपस्थिति में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में 1 जनवरी 2023 को IYoM-2023 समारोह का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कई प्रकार के मिलेट्स (फिंगर मिलेट, फॉक्सटेल मिलेट, बार्नार्ड मिलेट, प्रोसो मिलेट, लिटिल मिलेट, कोदो मिलेट, ब्राउनटॉप मिलेट), से तैयार मूल्यवर्धित उत्पाद (महुआ लड्डू, ठेकुआ, मठरी, साकरपारा, मीठा और नमकीन बिस्कुट, मल्टीग्रेन आटा, सावन की खीर आदि) और मिलेट्स से संबंधित कई साहित्य प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-लघु कदम पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा द्वारा आम जनता विशेषकर युवाओं और किसानों के बीच मिलेट्स पर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से किया गया था।

➤ **भूषण स्थानांतरण प्रौद्योगिकी के माध्यम से बछड़े का जन्म** राष्ट्रीय गोकुल मिशन परियोजना के तहत 2019 में पशु उत्पादन अनुसंधान संस्थान, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में भूषण स्थानांतरण प्रौद्योगिकी (ईटीटी) कार्यक्रम शुरू किया गया। दाता (डोनर) गाय का पहला भूषण प्लसिंग 28 दिसंबर 2021 को किया गया और स्वस्थ ईटी मादा बछड़ा का जन्म 8 जनवरी 2023 को 21 किलो वजन के साथ हुआ। इस बछड़े की जैविक माता 'साहीवाल टी-193' तथा प्रतिनियुक्त (सेरोगेट मदर) माता 'गाय संख्या 62/14' है। दाता और प्राप्तकर्ता गायों को इक्कीस दिनों की अवधि के ईटी प्रोटोकॉल के बाद सिंक्रनाइज किया गया। दाता गाय को प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न हार्मोन का उपयोग करके सुपर ओव्यूलेट किया गया और कुलीन साहीवाल बैल के वीर्य के साथ कृत्रिम गर्भाधान किया गया। विकसित भूषणों को प्रवाहित किया गया और व्यवहार्य भूषणों की जांच के बाद सेरोगेट माँ गायों में ताजा भूषणों को स्थानांतरित किया गया।



- **Students of 7th semester, Tirhut College of Agriculture, Dholi** visited Sugarcane Research Institute, Pusa and Borlaug Institute for South Asia Pusa under Institutional exposure programme on 07.01.2023.
- **Krishika Winter Fest- 2023** A vibrant 'Krishika Winter Fest- 2023' was organised by College of Agricultural Engineering and Technology, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University Pusa on 13th January 2023 with full enthusiasm and energy. Dr. P.S. Pandey Hon'ble Vice-Chancellor was the Chief Guest on this occasion. Krishika was a colourful array of multiple events - group dance, solo, skit, fusion and instrumental.
- **E-Cell, College of Agricultural Engineering and Technology, Pusa** secured 3rd Position in Asia's largest Business Conclave, E-Cell, College of Agricultural Engineering and Technology, Pusa participated in the Asia's largest Business Conclave organized by E-Cell Indian Institute of Technology, Bombay under National Entrepreneurship Challenge (NEC) program. In this competition 975 colleges across India participated in which, E-Cell, College of Agricultural Engineering and Technology, Pusa got 1st position up to 2nd stage and in the Final Round secured 3rd Position in NEC Basic track competition.
- **Annual Inter College games and Sports** Inter-College Games and Sports Meet, 2022-23 was organized at Sports ground, Tirhut College of Agriculture, Dholi and Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa from 22-24 January, 2023. Hon'ble Vice Chancellor Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa inaugurated the 6th Annual Inter College Games & Sports Meet at Tirhut College of Agriculture, Dholi. Students of different colleges participated in various events and won medals. Hon'ble Vice-Chancellor, congratulated all the winners and wished them best of luck for inter-university sports meet to be held at CCS, Hisar.
- **College of Agricultural Engineering and Technology** bagged first prize in Republic-day Jhanki, Tableau of College of Agricultural Engineering and Technology, Pusa was adjudged the best among all the colleges and research centres and awarded with the First Prize. Dr. Ambrish Kumar, Dean, College of Agricultural Engineering and Technology, received the Best Jhanki Prize on the Republic Day.
- **Tirhut College of Agriculture, Dholi** got first prize in cultural programme in Republic Day celebrations at university.
- **A warm farewell function** for Dr. Ashok Kumar Singh, Dean, Tirhut College of Agriculture, Dholi and Dr. U. K. Singh, Asstt. Professor, Department of Seed Science & Technology was organized by Teaching & Research fraternity of Tirhut College of Agriculture, Dholi on 31.01.2023 and Dr. P. P. Singh, Professor cum Chief Scientist assumed the charge of Dean, Tirhut College of Agriculture, Dholi in the afternoon of 31.01.2023.



Research Activities



- **The New Year Begun with the International Year of Millet – 2023 Celebration** The New Year 2023 is being celebrated as the international year of Millets (IYoM). In this context Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa inaugurated the celebrations of IYoM 2023 on 1st January 2023. Hon'ble Vice Chancellor graced the occasion in presence of all Deans, Directors, Head of departments, faculty members, non-teaching staff and students of Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University. Several kinds of Millets (finger millet, foxtail millet, barnyard millet, proso millet, little millet, kodo millet, browntop millet), value added products prepared from millets (madua laddoo, thekua, mathri, sakarpara, sweet and salty biscuits, multigrain aata, sawan kheer etc.) and several literatures related to millets were displayed on the occasion. The event was organized by Indian Council of Agricultural Research-All India Coordinated Research Project on Small Millets, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa to create awareness on millets among public especially youth and farmers.
- **Calf Borne through Embryo Transfer Technology** Embryo Transfer Technology (ETT) programme was started at Animal Production Research Institute, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa in 2019 under the Rastriya Gokul Mission Project. First embryo flushing of donor cow was done on 28th Dec 2021 and healthy ET female calf with a body weight of 21kg was born on 8th January 2023. Biological mother of this calf is 'Sahiwal T-193' and surrogate mother is 'Cow No. 62/14'. The donor and



- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं आई.ओ.टी. टेक, गुरुग्राम और ड्रोनियर एविएशन के मध्य समझौता डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, आई.ओ.टी. टेक, गुरुग्राम और ड्रोनियर एविएशन, बिहार के बीच कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा में एक दूरस्थ पायलट प्रशिक्षण संगठन (आर.पी.टी.ओ.) स्थापित करने के उद्देश्य से एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूर्वी भारत में ड्रोन पायलट जैसी सुविधाएं स्थापित करने वाला पूर्वी भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है।



- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को पेटेंट प्रदान किया गया कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को 'संग्रह हॉपर के साथ भिंडी की कटाई के लिए एक हस्त चालित उपकरण' और 'अनाज के छिलके और हलिंग के लिए एक शक्ति चालित उपकरण' पर दो पेटेंट दिए गए। मशीन 'संग्रह हॉपर के साथ भिंडी की कटाई के लिए एक हस्त चालित उपकरण' को डॉ. पी. के. प्रणव, डॉ. सुभाष चंद्रा और डॉ. अंबरीश कुमार द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया, वहीं अनाज के छिलके और हलिंग के लिए एक शक्ति चालित उपकरण को डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. उषा सिंह और श्री अभिषेक अंश के द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया।



- मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली में मछली-सह-बत्तख प्रदर्शन इकाई की स्थापना मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में मछली-सह-बत्तख आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली प्रदर्शन इकाई सृजित की गई है। यह स्नातक और परास्नातक छात्रों के साथ-साथ प्रगतिशील किसानों के लिए व्यावहारिक अनुभव और प्रशिक्षण की सुविधा के लिए निर्मित है।



- डॉ. शिवेंद्र कुमार, सह-प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने 4 जनवरी 2023 को राजगीर में मत्स्य विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित 'सरस्टेनेबल फिशरीज डेवलपमेंट' पर कार्यशाला के दौरान 'हाई-टेक एक्वाकल्चर की संभावनाएं' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- डॉ. तनुश्री घोरई, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान मुंबई में दिनांक 9 से 29 जनवरी 2023 तक आयोजित 'खाद्य मछली में रोगाणुरोधी प्रतिरोध: चुनौतियां और अल्पीकरण' पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन विद्यालय (विंटर स्कूल) में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

- पूसा और ढोली में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में मधुमक्खी पालन की ई.एल.पी. इकाई ने दिनांक 4 से 6 जनवरी 2023 तक तीन दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ए.टी.एम.ए.), लखीसराय द्वारा प्रायोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लखीसराय के 40 किसानों का नामांकन कराया गया। अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने सभी विभागाध्यक्षों और संकायों की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया।



- मधुमक्खी पालन केंद्र, कीट विज्ञान विभाग, स्नाकोत्तर कृषि महाविद्यालय, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा द्वारा 09 से 14 जनवरी, 2023 तक 'मधुमक्खी पालन' पर छह दिवसीय स्व-वित्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल पैंतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- डॉ. श्वेता मिश्रा, प्राध्यापक एवं प्रमुख अन्वेषक, लघु कदन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, ने दिनांक 10 जनवरी 2023 को इंडियन डायटेटिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'माइटी मिलेट्स एंड 3-ए (उपलब्धता, पहुंच और टिकाऊ विकास के लिए सामर्थ्य)' पर एक मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालय के आहार विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ और पोषण शिक्षाविदों सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना द्वारा आयोजित 'बिहार में छोटे कदन्नों की चुनौतियां और संभावनाएं' पर एक मुख्य भाषण दिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के प्राध्यापकों और छात्रों सहित 150 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत दिनांक 11-13 जनवरी, 2023 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में 'कंद फसलों के मूल्यवर्धन' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर जिले की बत्तीस कृषक महिलाओं ने प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया। सम्मानित अतिथि के रूप में प्रशिक्षण का उद्घाटन अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने मेंटर (कंद फसल) एवं निदेशक, बीज एवं फार्म की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर कंद फसलों के प्रमुख अन्वेषक एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



recipient cows were synchronized following ET protocol of twenty-one days duration. Donor cow was super ovulated using various hormones as per the protocol and Artificial Insemination was done with semen of elite Sahiwal bull. The embryos developed were flushed and fresh embryos were transferred in surrogate mother cows after screening viable embryos.

- **Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University signed Memorandum of Understanding with IoTech, Gurugram and Dronier Aviation** A tripartite MoU was signed among Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa, IoTech, Gurugram and Dronier Aviation, Bihar to set up a Remote Pilot Training Organization (RPTO) at College of Agricultural Engineering and Technology, Pusa for developing human resource as the Drone Pilot in Eastern India. Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University is the first Central Agricultural University/State Agricultural University in Eastern India to establish such facilities.



- **Patents granted to Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa** Two patents were granted on "A hand tool for Okra Harvesting with collection hopper" and "A power driven device for shelling and hulling of grains". The machine 'A hand tool for Okra Harvesting with collection hopper' was designed and developed by Dr P.K. Pranav, Dr Subhash Chandra and Dr Ambrish Kumar and 'A power driven device for shelling and hulling of grains' was designed and developed by Dr Subhash Chandra, Dr. Usha Singh and Er. Abhishek Ansh from College of Agricultural Engineering and Technology, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa



- **Fish-cum-Duck Demonstration Unit established at College of Fisheries Dholi** A fish-cum-duck based integrated farming system demonstration unit has been developed at College of Fisheries, Dholi. This is to facilitate hands-on practical experience and training for the Under Graduate and Post Graduate students as well as progressive farmers with fish-cum-duck based IFS.



- **Dr. Shivendra Kumar, Associate Professor, delivered invited lecture** on 'Prospects of Hi-tech Aquaculture' during workshop on 'Sustainable Fisheries Development' organized by Department of Fisheries, Government of Bihar at Rajgir on 4th January 2023.
- **Dr. Tanushri Ghorai, Assistant Professor, College of Fisheries, Dholi** participated in Indian Council of Agricultural Research sponsored Winter School on "Antimicrobial Resistance in Food Fish: Challenges and Mitigation" organized by Indian Council of Agricultural Research-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai from 9th to 29th January 2023.

- **Training Programmes Organized** Beekeeping Training Programmes were organized at Pusa and Dholi, ELP unit of Beekeeping at Tirhut College of Agriculture, Dholi organised Beekeeping Training programme of three days duration from 4th-6th January 2023. This training was sponsored by Agricultural Technology Management Agency (ATMA), Lakhisarai. In the training programme 40 farmers of Lakhisarai were enrolled. Dean, Tirhut College of Agriculture, Dholi inaugurated the event in presence of all the Head of the Department and faculties.



- **Six days' self-finance training on 'Beekeeping'** was organized by the Beekeeping centre, Department of Entomology, Post Graduate College of Agriculture, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa from 09th – 14th January, 2023. Dean (Post-Graduate College of Agriculture) chaired the inaugural session in presence of the Head of the Department Entomology and other faculty members. Altogether thirty-five participants from different districts of Bihar and Uttar Pradesh participated in the training programme.
- **Dr. Sweta Mishra, Professor Plant Breeding and PI, All India Coordinated Research Project on Small Millets** delivered a keynote address on "Mighty Millets & 3As (Availability, Accessibility & Affordability for sustainable Development)" Organized by Indian Dietetic Association on 10th Jan 2023. In this event 100 participants including dietitians, nutritionists and nutrition academicians from different University participated. Dr. Sweta Mishra, also delivered a keynote address on "Challenges and Prospects of small millets in Bihar" organized by the National Institute of Technology, Patna. In this event, 150 participants including faculties and students of National Institute of Technology, Patna were present.
- **A three-day Training Programme on 'Value addition of Tuber Crops'** was organised at Tirhut College of Agriculture, Dholi from 11-13th January, 2023 under Tribal Sub-Plan of Indian Council of Agricultural Research-All India Coordinated Research Project on Tuber Crops. Thirty-two farm women from Muzaffarpur districts participated as trainees in this programme. Training was inaugurated by Dean, Tirhut College of Agriculture Dholi in presence of Mentor (Tuber crop), Director Seeds & Farm as Guest of Honour. On this occasion, PI and scientists of tuber crops were also present.





➤ **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-** आलू पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की निगरानी टीम ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। डॉ. एस. पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक (केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, पटना केंद्र) के नेतृत्व में निगरानी दल ने 19 जनवरी, 2023 को ढोली केंद्र का निरीक्षण किया और चल रहे अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ट्रायल्स, स्टेशन कार्यक्रम और प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की जांच की। यात्रा के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के आलू वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

➤ **QRT टीम का भ्रमण (मक्का अनुसंधान परियोजना)** पदा श्री डॉ. बी.एस. दिल्ली, पूर्व कुलपति, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की क्यूआरटी टीम ने दिनांक 24.01.2023 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली का दौरा किया। टीम के अन्य सदस्यों में डॉ. के.बी. भट, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पादप



आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, डॉ. चंदिश आर बल्लाल, निदेशक राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो (NBAIR), डॉ. सतबीर एस पुनिया, पूर्व प्रतिष्ठित कृषि विज्ञानी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), डॉ. आर राम कुमार, प्रोफेसर, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (TISS), डॉ. जेसी शेखर, निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय कंदन्न अनुसंधान संस्थान (IIMR), लुधियाना और डॉ. एस.एल. जाट, सदस्य सचिव क्यूआरटी रहे। इस टीम ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-मक्का पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के प्रायोगिक प्लॉट, बीज उत्पादन कार्यक्रम, जेनेटिक स्टॉक और जर्मप्लाज्म भंडार की निगरानी की। वैज्ञानिकों की टीम ने भागवतपुर, समस्तीपुर के कृषकों के खेत में सहभागी माध्यम से बीज उत्पादन कार्यक्रम का भी अवलोकन किया।



प्रसार गतिविधियाँ



➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, सीवान** ने कृषि विज्ञान केंद्र भगवानपुर हाट में "प्राकृतिक खेती" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसमें विषय वस्तु विशेषज्ञ (फसल उत्पादन) द्वारा प्रायोगिक सत्र का आयोजन किया गया। जीवामृत, बीजामृत आदि बनाने की विधि के विस्तृत ज्ञान के आधार पर किसानों द्वारा इसे तैयार कराया गया। इसके लिए गोमूत्र, गाय का गोबर, बेसन, गुड़, चूना, नीम के पत्ते आदि का प्रयोग किया गया।



➤ **प्रखंड भगवानपुर हाट के ग्राम सहस्रव में कृषि विज्ञान केंद्र, भगवानपुर हाट** की ओर से कम लागत वाली प्राकृतिक खेती विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष ने प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विषय वस्तु विशेषज्ञों ने जीवामृत, बीजामृत आदि बनाने की विधि विस्तार से बताई।



➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत** ने मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी, मत्स्य सह-एकीकृत कृषि प्रणाली: रोजगार के अवसर, पॉली-हाउस का दायरा, महत्व



और उनके निर्माण जैसे विषयों पर कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत में तीन ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें 81 युवाओं ने भाग लिया। यारा उर्वरक द्वारा प्रायोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में आम की खेती में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों और अध्यक्ष ने समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (INM) और एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन (IPM) विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। इस माह कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत में 06 कृषक एवं महिला कृषक प्रशिक्षण, 05 किसान गोष्ठी, 03 फिल्म शो एवं 03 फील्ड दिवस का आयोजन किया गया है।

➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसीनी** परिसर में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय विधायक गोविन्दगंज श्री सुनील मणि तिवारी जी, आदरणीय उप जिला समाहर्ता अरंराज श्री संजीव कुमार जी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद शासी निकाय सदस्य श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता जी, अपर समाहर्ता अरंराज, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. सिंह सहित कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रखंड विकास प्रायोगिकी प्रबंधन, कृषि समन्वयक उपस्थित थे। अरंराज के विभिन्न गांवों के लगभग 250 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी के विषय वस्तु विशेषज्ञ, बागवानी और विषय वस्तु विशेषज्ञ होम साइंस और कृषि विज्ञान केंद्र, परसीनी पूर्वी चंपारण-द्वितीय के मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान और मत्स्य विज्ञान के विषय विशेषज्ञ ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अपना तकनीकी ज्ञान प्रदान किया।





➤ **Monitoring Team of Indian Council of Agricultural Research**-All India Coordinated Research Project on Potato visited Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University. The team headed by Dr. S P Singh, Principal Scientist (Central Potato Research Institute, Patna centre) visited Dholi centre on 19th January, 2023 and examined the ongoing All India Coordinated Research Project trials, Station programme and Field Level Demonstrations. During the visit all the scientists AICRP on Potato were also present.

➤ **Quinquennial Review Teams (QRT) team, Indian Council of Agricultural Research**-All India Coordinated Research Project on Maize visited Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University. The QRT team of Indian Council of Agricultural Research-All India Coordinated Research



Project on Maize headed by Padma-Sri Dr. B. S Dhillon, Former Vice-Chancellor, Punjab Agricultural University visited the Tirhut College of Agriculture, Dholi on 24.01.2023. The other team members were Dr KV Bhat, Former PS ICAR-BPGR, Dr Chandish R Ballal, Director NBAIR, Dr Satbir S. Punia, Former Distinguished Agronomist CCSHAU, Dr R Ram Kumar, Professor, TISS, Dr JC Sekhar, Director ICAR-IIMR, Ludhiana and Dr S.L. Jat, Member Secretary QRT). This team monitored the experimental plot, seed production programme, genetic stock, and germplasm treasure of Tirhut College of Agriculture, Dholi under Indian Council of Agricultural Research-All India Coordinated Research Project on Maize. The team also visited the seed production programme under participatory mode in the farmer's field of Bhagwatpur, Samastipur.



Extension Activities



➤ **Krishi Vigyan Kendra, Siwan organized two-days training on the topic "Natural Farming" At Krishi Vigyan Kendra** Bhagwanpur Hat Siwan, an experimental session was organized by Subject Matter Specialist (Crop Production). On the basis of detailed knowledge, Jeevamrut, Beejamrut etc., were prepared by the farmers. For this, cow urine, cow dung, gram flour, jaggery, lime, neem leaves etc. were used.



➤ **An Awareness program on the topic "Low-Cost Natural Farming"** was also organized by Krishi Vigyan Kendra Bhagwanpur Hat Siwan in village Sahasrav Block Bhagwanpur Hat. Senior scientist & Head, Krishi Vigyan Kendra gave detailed information on the importance of natural farming. Subject Matter Specialist, Crop Production explained in detail the method of making Jeevamrut, Beejamrit etc.



➤ **Krishi Vigyan Kendra, Sukhet conducted three Rural youth Trainings** on topics Mushroom Production Technology,

Fisheries Cum-Integrated Farming System: Employment Opportunities, Scope of polyhouse, importance and their construction was conducted at Krishi Vigyan Kendra, Sukhet in which 81 youths participated. Krishi Vigyan Kendra Scientists and Head Participated as resource person in INM and IPM in mango cultivation at District level work shop sponsored by Yara fertilizer. This month 06 Farmer and farm women training, 05 kisan Goshthi, 03 Film show and 03 Field Day were conducted at Krishi Vigyan Kendra Sukhet.



➤ **Krishi Vigyan Kendra, Parsauni conducted one day awareness programme** on Natural farming at Krishi Vigyan Kendra Parsauni campus. The programme was graced by Hon'ble MLA Govindganj, Shri Sunil Mani Tiwari Ji, Respected SDM Areraj Shri Sanjeev Kumar Ji, Indian Council of Agricultural Research Governing Body member Shri Rajendra Prasad Gupta ji, SADO Areraj, Senior Scientist and Head Dr. A.K. Singh along with ATM, BTM, agriculture coordinator. Approx 250 progressive farmers of different villages of Areraj participated. During programme SMS Horticulture and SMS Home Science from Krishi Vigyan Kendra, Piprakothi and Subject Matter Specialist Soil Science, Entomology and Fisheries from Krishi Vigyan Kendra, Parsauni East Champaran-II imparted their technical knowledge for promotion of Natural farming.



- **कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर** ने "प्रोट्रे तकनीक के माध्यम से नर्सरी की खेती" पर 23 से 25 जनवरी, 2023 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इक्कीस किसानों को नर्सरी की खेती के तरीकों और प्रोट्रे तकनीक के लाभ के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। 21 जनवरी 2023 को सहायक निदेशक (पौधा संरक्षण), कृषि विभाग, बिहार सरकार द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक, अध्यक्ष एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौधा-संरक्षण) ने कार्यक्रम में भाग लिया और व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में उन्नीस कीटनाशक विक्रेताओं ने भाग लिया और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श कर लाभान्वित हुए।



- **दिनांक 21.01.2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की, मुजफ्फरपुर** में सरमरथ गांव कुरहानी प्रखण्ड में सिंचित क्षेत्रों में उच्च उत्पादन के लिए सरसों की किस्म राजेंद्र सुफलाम पर फील्ड-डे का आयोजन किया गया। चडुआ गांव में राजमा फसल में फली छेदक कीट के प्रबंधन के लिए नैदानिक सेवाओं सहित अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।



पुरस्कार, खेल और अन्य गतिविधियाँ

- **दिनांक 1 जनवरी 2023 को विश्वविद्यालय में नव-वर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया।** माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने इस अवसर पर अपने विचार रखे एवं विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी।
- **डॉ. अब्दुस सत्तार, सह-प्राध्यापक, कृषि मौसम विज्ञान** को वर्ष 2022 के लिए सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान में प्रकाशित उनके शोध पत्र "मॉडलिंग क्लाइमेट स्मार्ट राइस-व्हीट प्रोडक्शन सिस्टम इन द मिडिल गांगेटिक प्लेन्स ऑफ इंडिया" के लिए "प्रो. एस. वेंकटरमन बेस्ट पेपर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। एसोसिएशन ऑफ एग्रोमेटियोरोलॉजिस्ट द्वारा पेपर को सर्वश्रेष्ठ पेपर के रूप में घोषित किया गया जो "फसल उत्पादन में अजैविक और जैविक तनावों को कम करने" में योगदान देता है।
- **कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन पूसा में** दिनांक 7-27 जनवरी, 2023 के दौरान "इनोवेटिव अग्रोचेज टू एग्रीप्रेन्योरशिप : आइडिया टू इम्प्लीमेंटेशन" पर 21 दिवसीय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद प्रायोजित विंटर स्कूल का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने विंटर स्कूल के उद्घाटन और समापन सत्र की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर एक सक्षम उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और नवाचारों और कृषि-स्टार्ट अप की भूमिका पर जोर दिया। विंटर स्कूल में कुल 23 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। डॉ. राम दत्त, सह-प्राध्यापक (ग्रामीण प्रबंधन) ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में योगदान दिया जबकि डॉ. एस. के. समीर (सह-प्राध्यापक) और डॉ. पुष्पा सिंह, प्राध्यापक (कीट विज्ञान) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- **इप्सिता बिस्वास, कृषि विज्ञान केन्द्र, तुर्की** के विषय वस्तु विशेषज्ञ (मत्स्य विज्ञान) को मत्स्य पालन एवं एक्वाकल्चर पर अकादमिक वर्ष 2022-23 हेतु आयोजित होने वाले 8वें वैश्विक सम्मेलन में (GAF8) कोच्चि, केरल में "केस स्टडी एनालाइसीस ऑफ बोमेन फिश भेंडर - री इन्फोर्सिंग देम टोवार्ड्स मारकेट लेड एक्सपोर्ट सिस्टम" पर शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार से 370 अमेरिकी डॉलर ऑस्ट्रेलियाई कृषि अनुसंधान केन्द्र (ACIAR) का अनुदान प्राप्त हुआ है।



- **Krishi Vigyan Kendra, Sheohar, conducted three-days training programme** from January 23 to 25th, 2023, on "Nursery cultivation through pro tray technique" started under the expertise of Subject Matter Specialist (Horticulture), Krishi Vigyan Kendra, Sheohar. Hands on training was given to the twenty-one farmers about methods of nursery cultivation and advantage of pro tray technique. On January 21st, 2023 a one-day training programme was organized by Assistant Director (Plant Protection), Agriculture Department, Government of Bihar. Sr. Scientist and Head and Subject Matter Specialist (Plant Protection) participated in the programme and delivered lectures. Nineteen pesticide sellers participated in the programme and get benefitted by interaction with the scientists of Krishi Vigyan Kendra.
- **Krishi Vigyan Kendra, Turki Muzaffapur** conducted Field Day on Mustard variety Rajendra Suflam for high production in irrigated areas on 21.01.2023 at Sarmastha village Kurhani block. Other events were also conducted including diagnostic services for the management of pod borer in Rajmaha crop at Chadua village.



Awards, Sports & Other activities

- **Nav Varsh Milan Samaroh was celebrated** on 1st January at Tirhut College of Agriculture, Dholi campus in the glorious presence of Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. P.S. Pandey. On this occasion, the Dean, Tirhut College of Agriculture, Dholi along with Dean, College of Fisheries, Directors, Seeds & Farm and college scientists, staff members and students were present.
- **Dr. Abdus Sattar, Associate Professor, Agrometeorology was conferred** "Prof. S. Venkatraman best paper award" for the year 2022 for his Research paper "Modelling climate smart rice-wheat production system in the middle Gangetic plains of India" published in Theoretical and Applied Climatology. The paper was adjudged as the best paper by the Association of Agrometeorologists published in any national and international journal that contributes to "Mitigation of Abiotic and Biotic Stresses in Crop Production".
- **School of Agribusiness and Rural Management, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa** has organized a 21days Indian Council of Agricultural research sponsored winter school on 'Innovative Approaches to Agripreneurship: Ideation to Implementation' during January 7-27, 2023. Hon'ble Vice Chancellor Dr. P.S. Pandey graced the inaugural and valedictory session of the winter school. He gave emphasis on creating an enabling entrepreneurial ecosystem at University level and the role of innovations and Agri-start ups. Altogether 23 faculty/scientists participated in the winter school. Dr. Ram Datt, Associate Professor (Rural Management), School of Agri-Business and Rural Management, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa contributed as Course Director while Dr. S.K. Sameer and Dr. Pushpa Singh acted as coordinator of the training programme.
- **Ipsita Biswas, Subject Matter Specialist (Fisheries)** of Krishi Vigyan Kendra, Turki has received grant of 370 USD from Australian Centre for International Agricultural Research (ACIAR) Australian government to participate and present paper on "Case study analysis of women fish vendors: reinforcing them towards market led extension system" for the academic year 2022-23 in 8th Global Conference on Gender in Aquaculture & Fisheries (GAF8) Kochi, Kerala, India.

